

HIMALAYAN DAY

[9th September, 2015]

Forest Research Institute Dehradun celebrated the Himalayan Day on 9th September, 2015. The theme was “**Sabka Himalaya**” aimed at creating awareness amongst the general public including visitors visiting the institute. Shri Saibal Das Gupta, Dy. Director General (Extension), ICFRE, Dehradun inaugurated the event accompanied by Dr. Savita, Director, Forest Research Institute.

Dr. Saibal Das Gupta and Dr. Savita visited the displays exhibited on the theme and admired the work of the institute being carried out by the different divisions in relation to the conservation of Himalayan ecosystem. In his address, Shri Saibal Das Gupta, Dy. Director General (Extension), ICFRE, stressed upon the present need to conserve Himalayan ecosystem and appreciated the works being done by the scientists of the institute. He also commented that these achievements should be given wider publicity and efforts should be made to replicate the successful research findings in the field. He also applauded all the scientist of FRI for their commendable works.

The various divisions of FRI took active participation in the event and the main attraction of the day were: Propagation and conservation of Himalayan medicinal plants; propagation and utilization of hill bamboo and Lantana; exploration of Yarsa gambo (Kida Jarhi); Himalayan butterflies; impact of climate change on Himalayan ecosystem and preventive measures; Insect pests and diseases of Himalayan flora and control measures, etc. Photographs and posters related to Ganga action plan also attracted the visitors. An exhibition of the painting on different aspects of Himalayan Ecosystem was also displayed by Mrs. Archana Bahuguna, Scientist, Zoological Survey of India, Dehradun.

The event was managed by Extension Division and Publicity and Liaison Office of the institute.

Glimpses of the Event



Inauguration of the event by the Chief Guest Shri Saibal Das Gupta, Dy. Director General (Extension), ICFRE and Dr. Savita, Director, FRI



Interaction with Scientists on displays



Interaction with Scientists on displays



Interaction with Scientists on displays



Interaction with Scientists on displays



Interaction with visitors on displays



Interaction with Scientists on displays



Interaction with Mrs. Archana Bahuguna, Scientist, Zoological Survey of India, Dehradun on paintings related with Himalaya

Press Clippings

दैनिक जागरण

10 सितम्बर, 2015



एफआरआई में हिमालय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न क्रियाकलापों की जानकारी दी गई।

जागरण

एफआरआई ने किया जागरूक

वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में आयोजित कार्यक्रम में भ्रमण पर आए पर्यटकों को हिमालय की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। संस्थान की निदेशक डॉ. सविता ने हिमालयन औषधीय पौधों के संरक्षण, पहाड़ी बांस, लैटना, कीड़ा जड़ी को खोज, हिमालयी तितलियां आदि के बारे में बताया। वहीं, आईसीएफआरआई के उपमहानिदेशक डॉ. शैबलदास गुप्ता ने हिमालयी पारितंत्र पर किए जा रहे कार्यों को लेकर एफआरआई के प्रयास को सहा।

हिन्दुस्तान

10 सितम्बर, 2015

एफआरआई में मना 'सबका हिमालय'

एफआरआई में भी हिमालय दिवस सबका हिमालय थीम से मनाया गया। आईसीएफआरआई उप महानिदेशक साइबिल दास गुप्ता व एफआरआई निदेशक डा. सविता ने उद्घाटन किया। मौके पर जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की डा. अर्चना बहुगुणा, डा. कैपी सिंह व अन्य विद्वानों मौजूद थे।

जनवाणी
10 सितम्बर, 2015

एफआरआई ने दिया 'सबका हिमालय' का संदेश



देहरादून वन अनुसंधान में हिमालय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम सबका हिमालय का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि शैबल दास गुप्ता।

● वरिष्ठ संवाददाता, देहरादून वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) देहरादून में 'हिमालय दिवस' पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'सबका हिमालय' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों ने संस्थान में भ्रमण करने वाले पर्यटकों सहित आम लोगों में हिमालय संरक्षण को लेकर

जागरूकता का सृजन किया। समारोह का उद्घाटन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून शैबल दास गुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) ने किया। इस अवसर पर डा. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून उपस्थित थी।

शैबल दास गुप्ता तथा डा. सविता ने एफआरआई परिसर में 'सबका हिमालय'

थीम पर संस्थान के विभिन्न प्रभागों की ओर से प्रदर्शित स्टालों व क्रियाकलापों का निरीक्षण किया। इस दौरान गुप्ता ने अपने संबोधन में हिमालयन पारितंत्र के संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर जोर दिया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए तथा सफल अनुसंधान निष्कर्षों को दोहराने के प्रयास किए जाने चाहिए। वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने इस समारोह में सक्रियता से भाग लिया। हिमालयन औषधीय पादों का प्रवर्धन और संरक्षण, पहाड़ी बांस तथा लैण्डाना का प्रवर्धन और उपयोग, यार्सा गैम्बो (कीड़ाजड़ी) की खोज, हिमालयी तितलियां, हिमालयन पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा सुरक्षात्मक उपाय, हिमालयन वनस्पति के नाशिकीट एवं रोग तथा नियंत्रण उपाय आदि कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे। गंगा कार्य योजना से संबंधित फोटोग्राफ और पोस्टरों ने भी पर्यटकों के आकर्षित किया।

I- NEXT

10 सितम्बर, 2015

एफआरआई और जेडएसआई में हिमालय दिवस मनाया

DEHRADUN: एफआरआई और जेडएसआई में वेडनसडे को हिमालय दिवस मनाया गया। इस मौके पर विशेषज्ञों ने जहाँ हिमालय में आ रहे परिवर्तन पर जानकारी दी, वहीं इसके संरक्षण की जरूरत भी बताई। कार्यक्रम में अब तक किए गए शोध पर भी प्रकाश डाला गया। एफआरआई में हिमालय दिवस पर 'सबका हिमालय' था का नारा दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप महानिदेशक शैबल दास गुप्ता, निदेशक वन अनुसंधान डा. सविता ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में हिमालयन पारितंत्र के संरक्षण के संबंध में संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में हिमालयन औषधीय पौधों के संरक्षण, पहाड़ी बांस तथा लैण्डाना का प्रवर्धन, उपयोग, कीड़ाजड़ी की खोज, हिमालयी तितलियां, जलवायु, पारितंत्र आदि के बारे में भी बताया गया। विभिन्न पहलुओं पर पेंटिंग की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

GARHWAL POST
10 सितम्बर, 2015

FRI celebrates Himalaya Diwas

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 9 Sep: Forest Research Institute celebrated Himalayan Day, here, today. The theme was "Sabka Himalaya", aimed at creating awareness amongst the general public including visitors. Saibal Das Gupta, Dy Director General (Extension), ICFRE, inaugurated the event accompanied by Dr Savita, Director, Forest Research Institute.

Saibal Das Gupta and Dr Savita visited the displays exhibited on the theme and admired the work of the institute being carried out by the different divisions in relation to the conservation of Himalayan ecosystem. In his address, Das Gupta stressed upon the present need to conserve the Himalayan ecosystem and appreciated the work being done by the scientists of the institute. He also commented that these

achievements should be given wider publicity and efforts made to replicate the successful research findings in the field. He also applauded all the scientists of FRI for their commendable work.

The various divisions of FRI took active part in the event and the main attractions of the day were: Propagation and conservation of Himalayan medicinal plants; propagation and utilisation of hill bamboo and Lantana; exploration of Yarsagambo (Kida Jarhi); Himalayan butterflies; impact of climate change on Himalayan ecosystem and preventive measures; Insect pests and diseases of Himalayan flora and their control measures, etc. Photographs and posters related to Ganga action plan also attracted the visitors.

An exhibition of paintings on different aspects of the Himalayan Ecosystem was also put up by Archana Bahuguna, Scientist, Zoological Survey of India.

The event was managed by Extension Division and Publicity and Liaison Office of the institute.



Reported by

दून दर्पण
10 सितम्बर, 2015



वन अनुसंधान संस्थान में लगाई गई प्रदर्शनी के बारे में जानकारी देते विशेषज्ञ ।

छाया एजेंसी

वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया हिमालय दिवस

स्टाफ रिपोर्टर

देहरादून, नौ सितम्बर । वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में हिमालय दिवस मनाया गया। हिमालय दिवस का विषय वस्तु 'सबका हिमालय' था, जिसका उद्देश्य संस्थान में भ्रमण करने वाले पर्यटकों सहित आम लोगों में जागरूकता का सृजन करना था।

इस अवसर पर समारोह का उद्घाटन शैबल दासगुप्ता, उप महानिदेशक, विस्तार, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। इस अवसर पर डा. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान उपस्थित थी।

इस अवसर पर शैबल दासगुप्ता तथा डा. सविता ने संयुक्त रूप से सबका हिमालय विषय वस्तु पर आधारित प्रदर्शनी का भ्रमण किया तथा हिमालयन पारिस्थितिक संरक्षण के संबंध में संस्थान के

विभिन्न प्रभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। शैबल दासगुप्ता, उप महानिदेशक, विस्तार, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, ने अपने संबोधन में हिमालयन पारिस्थितिक संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर जोर दिया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि इन उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए तथा क्षेत्र में सफल अनुसंधान निरक्षरों को दोहराने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने वन अनुसंधान संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को उनके प्रशंसनीय कार्यों के लिए प्रशंसा भी की।

इस अवसर पर वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने इस समारोह में सक्रियता से भाग लिया तथा समारोह के मुख्य आकर्षण थे। हिमालयन औषधीय पौधों का प्रवर्धन और संरक्षण, पहाड़ी बांस तथा लैण्टाना का प्रवर्धन

और उपयोजन; यासाँ गैम्बो (कीड़ा जड़ी) की खोज; हिमालयी तितलियाँ; हिमालयन पारिस्थितिक पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा सुरक्षात्मक उपाय; हिमालयन वनस्पति के नाशिकों एवं रोग तथा नियंत्रण उपाय आदि को शामिल किया गया।

इस अवसर पर गंगा कार्य योजना से संबंधित फोटोग्राफ और पोस्टर प्रदर्शनी भी पर्यटकों के आकर्षण के केन्द्र थे। इस अवसर पर अर्चना, बहुगुणा, वैज्ञानिक, भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा हिमालयन पारिस्थितिक विभिन्न महलुओं पर पेंटिंग की एक प्रदर्शनी का भी प्रदर्शन किया गया। इस समारोह का आयोजन संस्थान के विस्तार प्रभाग तथा प्रचार एवं सम्पर्क कार्यालय द्वारा किया गया।

अमर उजाला
10 सितम्बर, 2015

सबका
हिमालय विषय
पर प्रदर्शनी

देहरादून। हिमालय दिवस पर वन अनुसंधान संस्थान में 'सबका हिमालय' विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर वन अनुसंधान संस्थान आने वाले पर्यटकों को हिमालयी संपदा और परंपराओं के संबंध में जानकारी दी गई। कीड़ा जड़ी, हिमालयी तितलियाँ, सरीखी दुर्लभ चीजों को प्रदर्शनी में रखा गया था। प्रदर्शनी का उद्घाटन शैबल दास गुप्ता, उप महानिदेशक, विस्तार, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने किया। इस मौके पर डॉ. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान भी मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय सहारा
10 सितम्बर, 2015

एफआरआई में भी मनाया
गया हिमालय दिवस

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में भी बुधवार को हिमालय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सबका हिमालय विषय पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के उप महानिदेशक शैबल दासगुप्ता व एफआरआई की निदेशक डा. सविता ने संयुक्त रूप से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने हिमालयन पारिस्थितिक संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर जोर दिया। इस दिशा में संस्थान के वन वैज्ञानिकों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना भी उन्होंने की। इस अवसर पर भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अर्चना ब्रह्मगुप्ता ने हिमालयन प्रायद्वीप के विभिन्न पहलुओं पर पेंटिंग की प्रदर्शनी लगाई। डा. कपी सिंह, वीरेंद्र रावत आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

HIMACHAL TIMES

10 September 2015

FRI celebrates Himalaya Day

DEHRADUN,
SEP 9 (HTNS)

Forest Research Institute celebrated the Himalaya Day here today. The theme was "Sabka Himalaya" aimed at creating awareness amongst the public.

Saibal Dasgupta, Dy. Director General (Extension), ICFRE, inaugurated the event accompanied by Dr Savita, Director, Forest Research Institute.

Saibal Dasgupta and Dr Savita visited the displays exhibited on the theme and admired the work of the institute being carried out by the different divisions in relation to the conservation of Himalayan ecosystem.

In his address, Dasgupta stressed upon the present need to conserve Himalayan ecosystem and appreciated the works done by the sci-

entists of the institute. He also commented that these achievements should be replicated the successful re-

search findings in the field. He also applauded all the scientists of FRI for their commendable works. The various divisions of FRI took active participation in the event and the main attraction of the day were, propagation and conservation of Himalayan medicinal plants; propagation and utilization of hill bamboo and Lantana; exploration of Yarsagambo (Kida Jarhi); Himalayan butterflies; Impact of climate change on Himalayan ecosystem and preventive measures; Insect pests and diseases of Himalayan flora and their control measures, etc. Photographs and posters related to Ganga Action Plan also attracted the visitors. An exhibition of the painting on different aspects of Himalayan ecosystem was also displayed by Archna Bahuguna, Scientist, Zoological Survey of India, Dehradun.



entists of the institute. He also commented that these achievements should be replicated the successful re-

search findings in the field. He also applauded all the scientists of FRI for their

शाह टाइम्स

10 सितम्बर, 2015

एफआरआई में मना हिमालय दिवस



शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, में हिमालय दिवस मनाया गया। हिमालय दिवस का विशयवस्तु "सबका हिमालय" था, जिसका उद्देश्य संस्थान में भ्रमण करने वाले

गंगा कार्य योजना से संबंधित फोटोग्राफ और पोस्टर भी पर्यटकों के आकर्षण के केन्द्र रहे

पर्यटकों सहित आम लोगों में जागरूकता का सृजन करना था। समारोह का उद्घाटन शैबल दासगुप्ता, उप महानिदेशक, विस्तार, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान उपस्थित थीं।

शैबल दासगुप्ता तथा डा. सविता ने सबका हिमालय विशयवस्तु पर आधारित प्रदर्शनों का भ्रमण किया तथा हिमालयन पारितंत्र के संरक्षण के संबंध में संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। शैबल दासगुप्ता, उप महानिदेशक, विस्तार, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून ने अपने संबोधन में हिमालयन पारितंत्र के संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर जोर दिया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि इन उपलब्धियों

का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए तथा क्षेत्र में सफल अनुसंधान निष्कर्षों को दोहराने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने वन अनुसंधान संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को उनके प्रशासनीय कार्यों के लिए प्रशंसा भी की। वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने इस समारोह में सक्रियता से भाग लिया तथा समारोह के मुख्य आकर्षण थे : हिमालयन औषधीय पादपों का प्रवर्धन और संरक्षण(पहाड़ी बांस तथा लैण्डाना का प्रवर्धन और उपयोग(यासाँ गैम्बो (कीड़ाजड़ी) की खोज(हिमालयी तितलियां(हिमालयन पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा सुरक्षात्मक उपाय(हिमालयन वनस्पति के नाषिकीट एवं रोग तथा नियंत्रण उपाय आदि। गंगा कार्य योजना से संबंधित फोटोग्राफ और पोस्टर भी पर्यटकों के आकर्षण के केन्द्र थे।

अर्चना बहुगुणा, वैज्ञानिक, भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा हिमालयन पारितंत्र के विभिन्न पहलुओं पर पेंटिंग की एक प्रदर्शनी का भी प्रदर्शन किया गया। इस समारोह का आयोजन संस्थान के विस्तार प्रभाग तथा प्रचार एवं सम्पर्क कार्यालय द्वारा किया गया।

उत्तराखण्ड केसरी
10 सितम्बर, 2015

वन अनुसंधान में मनाया हिमालय दिवस



प्रदर्शनी को देखते अधिकारी।

देहरादून, 9 सितम्बर (ब्यूरो): वन अनुसंधान संस्थान हिमालय दिवस मनाया गया। हिमालय दिवस का विषयवस्तु 'सबका हिमालय' था, जिसका उद्देश्य संस्थान में भ्रमण करने वाले पर्यटकों सहित आम लोगों में जागरूकता का सृजन करना था। समारोह का उद्घाटन शैबल दासगुप्ता, उप महानिदेशक, विस्तार, भारतीय वार्निकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा किया गया।

शैबल दासगुप्ता तथा डा. सविता ने सबका हिमालय विषयवस्तु पर आधारित प्रदर्शनों का भ्रमण किया तथा हिमालयन पारितंत्र के संरक्षण के संबंध में संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सलाहना की। शैबल दासगुप्ता ने अपने संबोधन में हिमालयन पारितंत्र के संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर जोर दिया

तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सलाहना की। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि इन उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए तथा क्षेत्र में सफल अनुसंधान निष्कर्षों को दोहराने के प्रयास किए जाने चाहिए।

वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने इस समारोह में सक्रियता से भाग लिया तथा समारोह के मुख्य आकर्षण थे। हिमालयन औषधीय पादपों का प्रवर्धन और संरक्षण, पहाड़ी बांस तथा लैंटाना का प्रवर्धन और उपयोग, यासा गैम्ब्रो (कीड़ाजड़ी) की खोज, हिमालयी तितलियाँ, हिमालयन पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा सुरक्षात्मक उपाय, हिमालयन वनस्पति के नाशिकीट एवं रोग तथा नियंत्रण उपाय आदि।

हिमाचल टाइम्स
10 सितम्बर, 2015

एफआरआई में सबका हिमालय पर गोष्ठी आयोजित



एफआरआई में हिमालय दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते संस्थान के अधिकारी

देहरादून, आजखबर भारतीय वन अनुसंधान संस्थान में हिमालय दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिमालय दिवस का विषयवस्तु "सबका हिमालय" था, जिसका उद्देश्य संस्थान में भ्रमण करने वाले पर्यटकों सहित आम लोगों में जागरूकता का सृजन करना था। समारोह का

उद्घाटन शैबल दासगुप्ता उप महानिदेशक विस्तार भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा किया गया। शैबल दास गुप्ता तथा डा० सविता ने सबका हिमालय विषयवस्तु पर आधारित प्रदर्शनी का भ्रमण किया तथा हिमालयन पारिस्थितिक संरक्षण के संबंध में संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा किए जा रहे

कार्यों की सराहना की। शैबल दास गुप्ता ने हिमालयन पारिस्थितिक संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर जोर दिया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए तथा क्षेत्र में सफल अनुसंधान

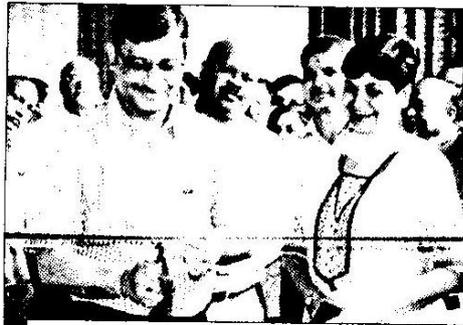
निष्कर्षों को दोहराने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने वन अनुसंधान संस्थान के सभी वैज्ञानिकों की उनके प्रशंसनीय कार्यों के लिए प्रशंसा भी की। वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने इस समारोह में सक्रियता से भाग लिया। कार्यक्रम में हिमालयन औषधीय पादपों का प्रवर्धन और संरक्षण, पहाड़ी बांस तथा लैण्डाना का प्रवर्धन और उपयोग, यार्सा गैम्बो (कीड़ा जड़ी) की खोज, हिमालयी तितलियाँ, हिमालयन पारिस्थितिक पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा सुरक्षात्मक उपाय, हिमालयन वनस्पति के नाशिकीट एवं रोग तथा नियंत्रण पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई। गंगा कार्ययोजना से संबंधित फोटोग्राफ और पोस्टर भी पर्यटकों के आकर्षण के केंद्र रहे। अर्चना बहुगुणा वैज्ञानिक भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण द्वारा हिमालयन पारिस्थितिक विभिन्न पहलुओं पर पेंटिंग की एक प्रदर्शनी का भी प्रदर्शन किया गया। इस समारोह का आयोजन संस्थान के विस्तार प्रभाग तथा प्रचार एवं सम्पर्क कार्यालय द्वारा किया गया।

UTTARANCH DEEP - GARHWAL

10TH SEPTEMBER, 2015

पर्यटकों को समझाया हिमालय का महत्व

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में हिमालय दिवस पर 'सबका हिमालय' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन कर संस्थान में भ्रमण करने वाले पर्यटकों सहित आम लोगों में जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद उप महानिदेशक (विस्तार) शैबल दासगुप्ता ने किया। इस अवसर पर एफआरआई की निदेशक डा सविता भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शैबल दासगुप्ता ने हिमालयन पारिस्थितिक संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता पर जोर दिया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि इन उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए



एफआरआई में कार्यक्रम का उद्घाटन करते शैबल दासगुप्ता।

तथा क्षेत्र में सफल अनुसंधान निष्कर्षों को दोहराने के प्रयास किए जाने चाहिए। वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न

प्रभागों ने इस कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लिया। हिमालयन औषधीय पादपों का प्रवर्धन और संरक्षण; पहाड़ी बांस

तथा लैण्डाना का प्रवर्धन और उपयोग, यार्सा गैम्बो (कीड़ा जड़ी) की खोज, हिमालयी तितलियाँ, हिमालयन पारिस्थितिक पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा सुरक्षात्मक उपाय, हिमालयन वनस्पति के नाशिकीट एवं रोग तथा नियंत्रण उपाय आदि आकर्षण के केंद्र रहे। गंगा कार्ययोजना से संबंधित फोटोग्राफ और पोस्टर भी पर्यटकों को पसंद आए। भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण की वैज्ञानिक अर्चना बहुगुणा ने हिमालयन पारिस्थितिक विभिन्न पहलुओं पर पेंटिंग की एक प्रदर्शनी का भी प्रदर्शन किया। एफआरआई के प्रचार एवं जनसंपर्क अधिकारी डा केपी सिंह के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के विस्तार प्रभाग तथा प्रचार एवं सम्पर्क कार्यालय द्वारा किया गया।